मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 55 अंक 2 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
फरवरी 2019 बहाई वर्ष : 175

विश्व न्याय मन्दिर

प्रभुधर्म की संस्थाओं एवं एजेंसियों पर सेवा देना वास्तव में एक अतिबृहत सौभाग्य है लेकिन वैसा नहीं जिसे प्राप्त करने की व्यक्ति द्वारा कोशिश की जाती है; यह एक ऐसा कर्तव्य और जिम्मेदारी है जिसे निभाने के लिये किसी भी समय उसका आह्वान किया जा सकता है।

28 दिसम्बर, 2012

गोलमेज बैठक में मीडिया शिक्षक और धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि

राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के जन–सम्पर्क कार्यालय और भारतीय जन संचार संस्थान के संयुक्त प्रयास से दिल्ली में एक गोलमेज बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रख्यात शिक्षाविद और सभ्य समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के जन–सम्पर्क प्रभाग की निदेशिका नीलाक्षी राजखोवा ने अपने सम्बोधन में बैठक की विषयवस्तु और उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मीडिया पाठकों अथवा दर्शकों के सामने धर्म का एक नकारात्मक चित्र प्रस्तुत करता है, जो कि चिंता का विषय है। धर्म की सही प्रकृति प्रस्तुत करने के लिए मीडिया पेशेवरों की जरूरत है।

जन संचार संस्थान के महानिदेशक के. जी. सुरेश ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि धर्म का चित्रण एकजुट करने के स्थान पर विभाजनकारी शक्ति के रूप में किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि विभिन्न निहित स्वार्थों के लिए धर्म का दुरुपयोग किया जा रहा है।

बहाई चेयर फॉर स्टडीज़ इन डेवलपमेंट के प्रमुख डॉ. अराश फजली ने वर्तमान में मीडिया की स्थिति और उसकी भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जैसे–जैसे मीडिया की शक्ति बढ़ रही है वैसे–वैसे उसकी भूमिका गंभीर और जटिल होती जा रही है।

मानविकी, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एण्ड स्टडीज और मीडिया अध्ययन संकाय के डीन डॉ. नीमो धर ने अपनी प्रस्तुति में मीडिया के वर्तमान परिदृश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अब मीडिया एक व्यवसाय बन गया है जबकि पहले यह एक मिशन हुआ करता था। समाचारों का प्रसार एक नैतिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाता था। अब इसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक लाभ में बदल गया है।

इनके अलावा अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे, जिन्होंने इस विषय पर अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए।



दिल्ली में भारतीय जन संचार संस्थान में आयोजित बैठक में भाग लेने वाले प्रतिभागी

इस अंक में

बिहार और उत्तर प्रदेश के क्लस्टरों में सहस्त्र मूलगतिविधियाँ स्थापित

• महाद्वीपीय सलाहकार श्री दृगपाल सिंह के मार्गनिर्देशानुसार राज्य बहाई परिषद्, बिहार के तत्त्वावधान में 21 से 23 दिसम्बर, 2018 तक अलौली क्लस्टर में विशेष गृह–भ्रमण अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें समुदाय निर्माण की प्रक्रिया को गतिज़ता प्रदान की गई। इस अभियान में मुख्य रूप से क्लस्टर एवं उपक्षेत्रीय संस्थान दल के मित्र व विकास सहयोगी, क्लस्टर विकास समिति, स्थानीय आध्यात्मिक सभा, सहायक मंडल सदस्य, शिक्षक, सहशिक्षक, अनुप्रेरक, लर्निंग साईट के साथ–साथ राज्य बहाई परिषद्, एवं प्रशिक्षण संस्थान के सचिव उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत् सुमधुर प्रार्थनाओं एवं मित्रों के परिचय व स्वागत संभाषण से हुई। तत्पश्चात् समीक्षा के क्रम में स्थानीय मित्रों द्वारा प्रस्तुत की गई मूलगतिविधियों की अद्यतन स्थिति को परिषद् द्वारा प्रदर्शित किया गया।

मित्रों ने संख्यात्मक आँकड़ों के अतिरिक्त मूलगतिविधियों से संदर्भित अपनी सीख एवं चुनौतियों को भी साझा किया। ज्ञातव्य हो कि अब यहाँ प्रार्थना सभा में युवा एवं वयस्कों के साथ–साथ बच्चे व किशोर भी काफी दिलचस्पी लेने लगे हैं तथा प्रार्थना सभा के दौरान प्रार्थना विषयक् पहलुओं के साथ–साथ अन्य विविध विषयों यथा–स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, एकता, स्त्री–पुरुष की समानता, धार्मिक सहअस्तित्व आदि पर भी संवाद स्थापित किया जा रहा है।

समीक्षोपरांत आम राय के बाद मित्रों ने 23 दिसम्बर, 2018 तक अलौली क्लस्टर में 1000 तथा अलौली क्लस्टर अन्तर्गत हथवन समुदाय में 500, अलौली समुदाय में 200, रौन समुदाय में 150 तथा बहोरबा समुदाय में 100 से अधिक मूलगतिविधि स्थापित करने की योजना बनाई तो इसके लिए इस अभियान में शामिल सभी प्रतिभागियों को गृह–भ्रमण के दौरान प्रार्थना सभा की संख्या में संवृद्धि दर्ज़ करने हेतु छह समूह में विभक्त किया गया तथा तीन दल को हथवन एवं एक–एक दल को अलौली, बहोरबा व रौन की जिम्मेदारी दी गई। दल में शामिल मित्रों ने अभियान के प्रथम दिन देर रात्रि तक नये घरों में गृह–भ्रमण किया तथा भ्रमण के क्रम में प्रत्यक्ष शिक्षण के अलावा प्रार्थना की अवधारणा, प्रकृति एवं महत्व से लोगों को अवगत कराया तथा मौके पर प्रार्थना सभा का आयोजन भी किया व इसे नियमित करने की सलाह मेज़बान को दी।

अभियान के द्वितीय दिन प्रथम दिन के कार्यों की समीक्षा की गई तथा अलौली क्लस्टर में 1000 से अधिक गतिविधि स्थापित किये जाने के उपलक्ष्य में 23 दिसम्बर, 2018 को स्थानीय बहाई केन्द्र, अलौली में केक काटकर महोत्सव मनाने की योजना बनाई गई। इसके अतिरिक्त अलौली, हथवन, रौन एवं बहोरबा समुदाय के कुछ प्रमुख शिक्षक, सहशिक्षक एवं अनुप्रेरकों को चिह्नित किया गया तथा उन्हें पीएस, पीजी1 एवं पीजी2 क्लस्टर की अवधारणाओं से अवगत कराने की योजना बनाई गई ताकि इन मित्रों की मदद से इन चार समुदाय के दो–दो और नये पड़ोसी समुदायों में भी कार्यक्रम स्थापित किया जा सके।

गृह–भ्रमण के परिणामस्वरूप उपरोक्त चारों समुदाय में मूलगतिविधि की संख्या में हुई वृद्धि को मित्रों ने अभियान के आख़िरी दिन के प्रथम सत्र के दौरान प्रस्तुत किया।

इस प्रकार, अलौली क्लस्टर में 1000 से अधिक तथा हथवन समुदाय में पूरे 500 मूलगतिविधि स्थापित किये जाने की खुशी में बहाई केन्द्र, अलौली में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत् प्रार्थना एवं निगूढ़ वचन के पाठ से हुई तत्पश्चात् केक काटा गया व सांस्कृतिक कार्यक्रम

शेष पृष्ठ 3 पर

झारखण्ड की गतिविधियाँ

• जमशेदपुर के बहाई भवन में 7 से 9 जनवरी 2019 तक चंदनक्यारी क्लस्टर के 6 मित्रों द्वारा रूही पुस्तक –1 का अध्ययन पूर्ण किया गया। इस समूह के सह–शिक्षक श्री संदीप शर्मा थे। पुस्तक के अध्ययन के दौरान मित्रगण बहाई पवित्र लेखों का दैनिक जीवन में महत्व, प्रार्थना का महत्व एवं जीवन मृत्यु की अवधारणा से परिचित हुए। अध्ययन की समाप्ति के उपरांत पुस्तक के सेवा कार्य को समझते हुए 5 मित्रों ने अपने घरों में भक्तिपरक बैठकों का आयोजन किया। पाँच मित्रों ने प्रभुधर्म में अपनी आस्था व्यक्त की।

• 19 से 21 जनवरी, 2019 तक बहाई भवन में ही झारखण्ड की तीन दिवसीय संयोजक सह सहयोगी बैठक हुई। इस अवसर पर बिहार राज्य के प्रशिक्षण संस्थान मण्डल श्री राहुल कुमार एवं सहायक मंडल सदस्य श्री अभिनंदन शर्मा विशेष रूप से अपनी सीखो एवं सुझावों को साझा करने हेतु उपस्थित हुए। साथ ही इस बैठक में झारखण्ड के 10 क्लस्टरों, राज्य स्तर एवं क्लस्टर स्तर के 45 संयोजकों एवं सहयोगियों ने भाग लिया। इस अवसर पर झारखण्ड के सहायक मंडल सदस्यगण भी उपस्थित हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक क्लस्टर की तीन महीनों की संख्यात्मक एवं गुणात्मक वृद्धि की समीक्षा करना एवं आगामी तीन महीनों की योजना तैयार करना था। एक और मुख्य उद्देश्य यह था कि कुछ तीन से चार महीने पहले ओड़िशा राज्य में हुए बच्चों की बहाई कक्षा के सेमिनार की सीखो एवं योजनाओं को मूर्त रूप देना एवं अन्य मित्रों तक इन सीखो को पहुँचाना था। पहले दिन प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मील के पत्थरों की अवधारणा एवं एक क्लस्टर में विकास कार्यक्रम के उदभव में आवश्यक तत्वों की और अधिक पुष्टि हेतु बड़ी संख्याओं को अपनाना एवं जटिलताओं का प्रबंधन नामक शीर्षक का अध्ययन किया गया। उसके उपरान्त प्राप्त सीखो के आधार पर बचे शेष दो दिनों तक मित्रों ने अपने क्लस्टरों की प्रस्तुति प्रस्तुत की।



जमशेदपुर में आयोजित संयोजक एवं सह–सहयोगी बैठक के प्रतिभागी

सूचना

आप सभी को यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि एशिया के महाद्वीपीय सलाहकार मण्डल ने निम्नलिखित मित्रों को सहायक मण्डल सदस्य के लिए नियुक्त किया है :

डॉ. अनिस अख्तरखावेरी (प्रचार) तमिलनाडु एवं पुदुचेरी
सुश्री बेलारानी महतो (संरक्षण) पश्चिम बंगाल
सुश्री रानी मंडल (प्रचार) पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर
सुश्री पूजा तिवारी (संरक्षण) उत्तरप्रदेश, दिल्ली एवं उत्तराखंड

महाद्वीपीय सलाहकार मण्डल ने निम्नलिखित मित्र :

सुश्री विवियन मर्चेंट उत्तरप्रदेश, दिल्ली एवं उत्तराखंड

को सहायक मण्डल सदस्य के रूप में उनके द्वारा दी गईं सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें उनके दायित्व से मुक्त कर दिया है।

समाचारचित्र



ग्वालियर की श्रीमती वंदना एवं श्री सुनीति चन्द्र मिश्रा की सुपुत्री सुश्री स्नेहा मिश्रा और जयपुर की श्रीमती जैनब एवं श्री नियाज अनंत के सुपुत्र श्री अनुज अनंत का विवाह 13 जनवरी, 2019 को जयपुर में बहाई विधिविधान के अनुसार स्थानीय आध्यात्मिक सभा जयपुर के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ग्वालियर और जयपुर के अनेक बहाई मित्रगण शामिल हुए।



ऑस्ट्रेलिया के गेरार्ड लियोनरी और न्यूजीलैंड की विन्नी गुरूग्राम में 31 दिसम्बर 2018 को बहाई विधिविधान के अनुसार दाम्पत्य–सूत्र में बंध गये। यह विवाह स्थानीय आध्यात्मिक सभा गुरूग्राम के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।



कर्नाटक के बी. होसुर मांडया क्लस्टर में 27 से 29 दिसम्बर, 2018 तक 'बहाई होम' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 12 मित्रगण शामिल हुए। इसका संचालन सलाहकार श्री राजन सावंत द्वारा किया गया। श्री सावंत ने बहाई परिवार और बहाई होम की अद्वितीयता और विशिष्टता के बारे में बताया।

चंडीगढ़ में योजना सत्र का आयोजन

क्षेत्रीय बहाई परिषद पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू–कश्मीर ने 18 से 20 जनवरी 2019 को चंडीगढ़ बहाई भवन में योजना सत्र का आयोजन किया। इसमें सलाहकार भावना अनबरासन सहित लगभग 35 मित्रगणों ने भाग लिया। इस सत्र में मित्रों ने अगले चरण के लिए क्लस्टरों में जाने की संभावना तलाशने, साथ चलने, अधिक से अधिक समुदाय निर्माण की गतिविधियों में संलग्न रहेंगे। उपस्थित मित्रों द्वारा विश्व न्याय मन्दिर के संदेशों का अध्ययन करते समय सलाहकार महोदया ने उनको समझाने में अपना सहयोग प्रदान किया। पायनरिंग के महत्व पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विचार–विमर्श किया गया।



चंडीगढ़ में आयोजित योजना सत्र के प्रतिभागी

योजना बनाना और समय–समय पर समीक्षा करने आदि पर चर्चा की।

परिषद का मानना था कि इन तीन दिनों के दौरान जो कुछ भी सीख और अंतर्दृष्टि प्राप्त होगी उसको विश्व न्याय मंदिर के मार्गदिशानुसार अपने क्षेत्रों में सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से कार्य में दिखाया जायेगा, मित्रगण

साथ ही, मित्रों ने 26 नवम्बर, 2018 के संदेश का भी अध्ययन किया, जिसमें मास्टर के स्वर्गारोहण की शताब्दी के बारे में याद दिलाया जिसके आने में कुछ समय बाकी है, जब पूरे विश्व भर में बहाई एकत्र होकर रचनात्मक काल की प्रथम शताब्दी में प्रयाण की गई दूरी पर विचार करेंगे।

बहाई लिटरेचर एण्ड पब्लिशिंग ट्रस्ट

प्रिय मित्रों,

बहाई लिटरेचर एण्ड पब्लिशिंग ट्रस्ट (बीएलपीटी) को यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि उसने भारत के लिए अपनी नई ई–साइट की शुरुआत की है। अब आप अपनी पुस्तक ऑनलाइन ऑर्डर कर सकते हैं और अपने कार्ड के माध्यम से भुगतान भी कर सकते हैं। रिज़वान 2019 तक भारत के अंदर 200/– रुपये तक के ऑर्डर पर डाक खर्च निःशुल्क रहेगा। अपना ऑर्डर देने के लिए www.bahaipublishingtrust.in वेबसाइट पर लॉग ऑन करें।

आवश्यक सूचना

सभी मित्रों से निवेदन है कि बहाई पहचान पत्र की अवधि समाप्त होने या नया बनवाने हेतु अपना अनुरोध कम से कम एक माह पहले दें। इस कार्ड का लागत मूल्य सौ रुपये है। व्यक्तिगत रूप से प्राप्त अनुरोध स्वीकार्य नहीं होगा, इसलिए आप अपनी स्थानीय आध्यात्मिक सभा या राज्य/क्षेत्रीय बहाई परिषद के माध्यम से ही इसे निम्न दस्तावेज जैसे–वर्तमान में खींचा एक फोटो, स्पष्ट रूप से लिखा आपका संपूर्ण पत्राचार पता, फोन नम्बर और एक साधारण कागज पर आपके हस्ताक्षर राष्ट्रीय कार्यालय में भेजें। अगर आपके पास स्कैनिंग की सुविधा है तो यह सभी स्कैन करके हमें ईमेल पर भी भिजवा सकते हैं।

बहाई भवन

6, श्रीमंत माधवराव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001

फोनः 91–11–23389326, 23387004,

ई–मेल : nsaindia@ibnc.in

बिहार और उत्तर प्रदेश के क्लस्टरों में सहस्त्र मूलगतिविधियाँ स्थापित

पृष्ठ 1 का शेष

प्रस्तुत किये गये फिर परिषद् सचिव, श्री ओम नमः शिवाय सिंह ने मौजूदा कार्यक्रम के साथ–साथ बहाई धर्म के प्रकटीकरण का मूलभूत उद्देश्य, उसके प्रतिपादित सिद्धांत, शिक्षा, प्रभाव एवं इस युग की महानता आदि से लोगों को अवगत कराया। साथ ही, इस बड़ी संख्याओं को अपनाने तथा जटिलताओं के प्रबंधन हेतु संस्थागत क्षमता को बढ़ाने पर बल देते हुए बेहतर समन्वय की योजना, आपसी ताल–मेल, विचारों की एकता तथा 'परिवारों के समूहों' की अवधारणा एवं संकल्पनाओं को आत्मसात् करना वांछित बताया। मौके पर उपस्थित अलौली पंचायत के सरपंच, क्लस्टर विकास समिति के सदस्य एवं स्थानीय आध्यात्मिक सभा, हथवन के सदस्य ने भी अपने उद्गार व्यक्त किये। कार्यक्रम के अंत में स्थानीय संस्था एवं एजेंसियों के साथ विश्व न्याय मंदिर के 29 दिसम्बर, 2015 के संदेश से 'बड़ी संख्याओं को अपनाना तथा जटिलताओं का प्रबंधन' व 'संस्थागत क्षमता को बढ़ाना' विषयक् प्रलेख का भी अध्ययन किया गया।

कार्यक्रम के आख़िरी दिन हथवन समुदाय के ठाकुरबाड़ी परिसर में एक सामूहिक संध्याकालीन प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया। मौके पर उपस्थित परिषद् सचिव द्वारा प्रार्थना की अवधारणा, प्रकृति, महत्व एवं उसके प्रभाव पर विशेषीकृत रूप से प्रकाश डाला गया तथा सामाजिक रूपांतरण हेतु प्रत्येक घर में प्रार्थना करने की संस्कृति विकसित करने की गुज़ारिश की गई।

• उत्तर प्रदेश का सहार क्लस्टर जिसमें लगभग 530 गांव शामिल हैं। यहां की ज्यादातर आबादी कृषि और शिक्षा में व्यस्त रहती है। वर्तमान में सहार क्लस्टर की कुल आबादी में 1038 बच्चों की कक्षायें, 178 युवाओं के साथ युवा समूह, 380 किशोरों के साथ किशोर समूह और 2179 वयस्कों के साथ 855 प्रार्थना सभायें आयोजित करने की क्षमता प्राप्त कर ली है। सहस्त्र गतिविधियों तक पहुँचने का यह मुकाम सहार क्लस्टर ने विशेष रणनीति, अनुभव और सीख के माध्यम से हासिल किया।

सहार क्लस्टर को कुछ ऐसे अवसर प्राप्त हुए जब उसने उनका लाभ उठाते हुए अधिक–से अधिक मित्रों को प्रभुधर्म का संदेश दिया और उन्हें मूल गतिविधियों में शामिल किया। अक्टूबर 2017 में बहाउल्लाह के जन्म की द्विशताब्दी के अवसर पर क्लस्टर स्तर पर, गांव के स्तर पर, स्कूलों में, प्रशासनिक अधिकारी, ग्राम प्रधान आदि से मिलकर उन्हें प्रभुधर्म के बारे में बताया और लगभग एक हजार से अधिक लोगों को शिक्षण दिया।



सहार में आयोजित गतिविधियों में शामिल किशोर

रूही पुस्तक–4 और 10 के सेमिनार के माध्यम से क्लस्टर में समन्वय की प्रणाली को मजबूत किया और बड़ी संख्या को बनाये रखने के लिए क्लस्टर को यूनिटों में बांटा गया।

संस्थान अभियानों के माध्यम से मित्रों को मूलगतिविधियों से जोड़ा गया। यह अभियान क्लस्टर, गांव और मोहल्ले के स्तर पर आयोजित किये गये, जिसमें मित्रों के घर पर जाकर संस्थान प्रक्रिया के पाठ्यक्रम को पूरा कराया गया।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
New Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

दिसम्बर 2018 तक मूल–गतिविधियों के सांख्यिकी आंकड़े

क्षेत्रीय / राज्य बहाई परिषद	भक्तिपरक बैठकों की संख्या	भक्तिपरक बैठकों में उपस्थिति	बच्चों की बहाई कक्षाओं की संख्या	बच्चों की बहाई कक्षाओं में उपस्थिति	किशोर समूहों की संख्या	किशोर समूहों में उपस्थिति	स्टडी सर्कल की संख्या	स्टडी सर्कल में उपस्थिति	कुल मूल गतिविधियां	मूल गतिविधियों में कुल उपस्थिति
आंध्र प्रदेश+	72	558	31	185	23	181	7	37	133	961
असम+	179	627	42	447	18	179	6	34	245	1,287
बिहार	2,581	24,249	529	5,206	338	3,127	143	1,126	3,591	33,708
छत्तीसगढ़	568	2,838	69	678	55	520	19	108	711	4,144
गुजरात	382	2,490	91	1,048	59	538	33	201	565	4,277
झारखण्ड	949	7,991	200	1,521	144	962	76	510	1,369	10,984
कर्नाटक	69	301	21	209	18	185	9	27	117	722
केरल	213	936	34	268	8	41	21	135	276	1,380
मध्य प्रदेश	338	2,398	52	639	34	323	21	125	445	3,485
महाराष्ट्र+	5,537	25,999	583	6,692	442	4,662	167	1,106	6,729	38,459
मणिपुर+	333	907	40	333	17	133	9	41	399	1,414
ओडिशा	806	3,790	118	1,006	91	716	22	116	1,037	5,628
पंजाब+	233	2,012	115	1,041	158	1,356	14	65	520	4,474
राजस्थान	58	287	21	198	8	45	4	31	91	561
सिक्किम+	262	1,147	42	351	28	176	2	8	334	1,682
तमिलनाडु+	2,491	10,164	145	1,187	125	915	133	579	2,894	12,845
त्रिपुरा	346	2,155	100	839	38	274	52	182	536	3,450
उत्तर प्रदेश+	10,325	88,305	1,703	14,808	1,289	10,413	338	2,800	13,655	116,326
पश्चिम बंगाल	2,790	15,303	507	4,941	407	3,393	232	1,632	3,936	25,269
कुल	28,532	192,457	4,443	41,597	3,300	28,139	1,308	8,863	37,583	271,056

उत्तर प्रदेश रीजन में 10 संस्थागत बैठकों का आयोजन

अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश में वृहद स्तर पर संस्थान अभियानों का आयोजन किया गया। हर वर्ष हजारों की संख्या में मित्र इन अभियानों के माध्यम से रूही पुस्तकों से जुड़ते हैं और इनमें से अधिकांश अपनी गतिविधियां शुरू करते हैं। कोई बहाई बाल कक्षाओं से जुड़ता है तो कोई किशोर दल से और कोई स्टडी सर्कल शुरू करता है, लेकिन सभी गतिविधियां जारी नहीं रखी जा पाती हैं, कुछ ही गतिविधि अगले स्तर तक पहुंच पाती हैं। अतः इस बार परिषद ने संस्थान मंडल के साथ चर्चा के बाद 10 संस्थागत बैठकों को आयोजित करने का निर्णय लिया, इन बैठकों में मित्रों द्वारा तैयार की गई सामग्री का अध्ययन किया एवं उसके उपरांत मित्रों ने योजना को भी बनाया, जिसमें संस्थान प्रकिया के बाद समुदाय में आये युवा द्वारा कैसे पड़ोसी समुदायसमूह में एक विस्तारित नाभिक को बढ़ावा दिया जाये। कैसे एक के बाद एक गांव में प्रक्रिया का विस्तार किया जाये और सब से महत्वपूर्ण इस बैठक में मित्रों द्वारा बहाई बाल कक्षाओं को सुव्यवस्थित करने की भी योजना बनाई गई, जिसमें बच्चों की आध्यात्मिक शिक्षा के लिये एक औपचारिक कार्यक्रम कैसे बनाया जाये। कैसे गाँव अथवा पड़ोसी क्षेत्रों का चुनाव किया जाये, कैसे कार्यक्रम की आवश्यकताओं का निर्धारण किया जाये और उसकी एक योजना कैसे बनाई जाये। कैसे बच्चों की आध्यात्मिक शिक्षा के लिये एक केन्द्र की स्थापना की जाये, साथ ही परिवारों के समूहों के बारे में भी योजना बनाई गई, जिसमें परिवारो के समूहों के प्रारंभ करने के लिए प्रारम्भक को चिह्नित करने का भी कार्य किया गया। अभी 5 संस्थागत बैठकों का आयोजन काकोरी, बंथरा, बिसवाँ, सहार एवं बिधूना में किया जा चुका है और दिल्ली, कन्नौज, सांडी, हरख एवं गोरखपुर में बैठकों का आयोजन किया जाना है।

मध्यप्रदेश में युवा उद्यमियों को प्रभुधर्म का शिक्षण



ग्वालियर बहाई समुदाय के श्री डी. एस. जादोन द्वारा 23 जनवरी, 2019 को मध्य प्रदेश के मुरैना में महिलाओं के लिए सरकारी प्रशिक्षण केन्द्र में एक वार्ता का आयोजन किया गया। इस वार्ता में डॉ. रोजा ओल्याई को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। अपने संभाषण में डॉ. ओल्याई ने महिलाओं के आध्यात्मिक स्वास्थ्य के अलावा उनके सामान्य स्वास्थ्य के मुद्दों पर भी बात की और उन्होंने बताया कि कैसे हम बहाई विचारों के माध्यम से सार्थक व्यवसाय में मानवजाति की सेवा कर सकते हैं। महिला प्रतिभागी युवा उद्यमी हैं जो 30 दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपने छोटे उद्यम शुरू करने जा रही हैं।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.2. 2019
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)